कांवड़ को उठा ले | By Hemant Brijwasi

शिव को ध्याया मैंने शिव को मनाया है
गंगा जल लाके भोले नाथ पे चढ़ाया है
चरणों का दास भोला दर तेरे आया है
कांवड़ को उठा ले चल बाबा ने बुलाया है

ना जाने कैसे तेरे चाहने वाले हैं
चेहरा खिला है और पैरो में छाले हैं
मस्ती का प्याला तूने कैसा पिया है
कांवड़ को उठा ले चल बाबा ने बुलाया है

जूट जटाओ से बना तेरा सेहरा है
तन पे विभूति और नागो का पहरा है
भक्तों के मन बस तू ही समाया है
कांवड़ को उठा ले चल बाबा ने बुलाया है

भोले भण्डारी तेरा रूप ही निराला है
साँसों की लय पे तेरा नाम लिख डाला है
हेमंत ब्रजवासी ने नाम तेरा गाया है
कांवड़ को उठा ले चल बाबा ने बुलाया है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%89%e0%a4%a0%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-hemant-brijwasi/